ओरियेन्टेषन कोर्स (प्र0स्ना0षि0, सा0वि0) जवाहर नवोदय विद्यालय, मल्हार

पहला दिन

दिनॉक 12.05.2011

आज दिनॉक 12.05.2011 को जवाहर नवोदय विद्यालय, मल्हार, बिलासपुर के प्राचार्य श्री बी.के. महान्ति सर के निर्देषन में नवोदय विद्यालय समिति क्षेत्रीय कार्यालय , भोपाल द्वारा प्र0स्ना0षि0 सामाजिक विज्ञान के ओरिएन्टेषन कोर्स का दिनॉक 12.05.2011 से 21.05.2011 तक आयोजन किया जा रहा है जिसमें क्षेत्रीय कार्यालय के अंतर्गत 27 नवोदय विद्यालय के षिक्षक भाग ले रहे है और लाभ ले रहे है।

ओरिएन्टेषन कोर्स का प्रथम दिन प्रातः 9:00 बजे शुभांरभ विद्यालय के प्राचार्य श्री बी0के0महान्ति के द्वारा किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पुरातत्वविद श्री एस .के.मित्रा उपस्थित थें जिन्होनें 10 दिवसीय प्रषिक्षण में आये हुए षिक्षकों का मल्हारगढ़ में हुए उत्खन्न के संबंधित जानकारियॉ दी एवं उत्खनन क्षेत्र में आने का निमंत्रण भी दिया।

तत्पष्चात् कार्यक्रम में पधारे गुरूघासीदास केन्द्रीय विष्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक श्री निराधर देव एवं श्री राधेष्याम दुबे जी ने भी अपना उद्‌बोधन दिया।

प्रथम सत्र में शुभारंभ के बाद श्री निराधार देव ने प्रषिक्षण में आये हुए षिक्षकों को बताया कि कक्षा में पढ़ाते हुए बच्चों में कैसे रूचि जगाया जाये। उन्होने क्लासरूम इनट्रेषन से संबंधित जानकारियां दी। भोजन के उपरांत दुसरे सत्र में श्री राधेध्याम दुबे जी ने इतिहास से संबधित जानकारियां हमें दी कि इतिहास क्या है और हमें इतिहास की जरूरत क्यों महसुस होती है बीते कल के अनुभव से आगे भविष्य को कैसे बेहतर बनाया जा सकता है।

द्वितीय सत्र खत्म होने के बाद खेल का समय हुआ जिसमें सभी षिक्षकगणों ने किक्रेट का आनंद उठाया। शाम 6:45 बजे प्रार्थना के बाद प्राचार्य बी.के.महान्ति द्वारा मिटींग रख गया जिसमें उनके द्वारा सभी षिक्षको को पॉच–पॉच का समूह बनवाया गया जो प्रतिदिन के कार्य के लिए एक समूह उसी दिन के सभी कार्यो का निस्पादन करेगें । तत्पष्चात् ज.न.वि. कोरापुट से आए हुए स्त्रोत पुरूष श्री ए.के.मिश्रा और षिक्षक अभिनव उपाध्याय के निर्देषन में पावर पाइंट प्रिजेन्टेषन बनाया गया।

8:00बजे सभी रात्रिभोजन के लिए भोजनालय की ओर प्रस्थान किये। भोजन ग्रहण कर सभी षिक्षक अपने हाउस जाकर आराम किये इस तरह प्रषिक्षण का प्रथम दिवस समाप्त हुआ।

ओरियेन्टेषन कोर्स (प्र0स्ना0षि0, सा0वि0) जवाहर नवोदय विद्यालय, मल्हार

दूसरा दिन

जवाहर नवोदय विद्यालय, मल्हार जिला–बिलासपुर में विद्यालय के प्राचार्य श्री महान्ति के निर्देषन में विद्यालय समिति क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल द्वारा प्र0स्ना0षि0 सामाजिक विज्ञान के ओरियेन्टेषन कोर्स का दिनॉक 12.05.2011 से 21.05.2011 तक आयोजन किया जा रहा है। जिसमें भोपाल रिजन के 27 नवोदय विद्यालय के प्र0स्ना0षि0 भाग ले रहे है। जिसमें दिनॉक 13.05.2011 की गतिविधियों का विवरण आपके सामने प्रस्तुत है।

कल प्रातः 5:45 बजे सभी प्रतिभागियों का जवाहर नवोदय विद्यालय, मल्हार के पी.ई.टी. श्री टोप्पो सर सैर पर ले गये। प्रातः सैर से सभी प्रतिभागियों का मन प्रसन्न हो गया और उनमें जो जोष का प्रवाह हुआ वह पूरे दिन दिखाई देता रहा ।

प्रातः 8:45 बजे प्रातः कालीन प्रार्थना सभा विद्यालय के पुस्तकालय कक्ष जवाहर नवोदय विद्यालय, मल्हार के संगीत षिक्षक श्री गोविंद कुर्म के मार्गदर्षन में हुई जिसमें सरोजनी सदन में प्रस्तुती दी जिसमें श्री संतोष कुमार सर ने संचालन, श्रीमती राजनंदिनी शर्मा ने विचार, श्री डी.एस.मीना ने प्रतीज्ञा, श्री एच.सी.वर्मा ने समाचार और श्री एम.एस.सोलंकी ने प्रष्नोत्तरी प्रस्तुत की ।

प्रार्थना के पश्चात् हम सभी प्रतिभागी धूप की परवाह किये बिना पूरे जोष और उत्साह से जवाहर नवोदय विद्यालय के प्राचार्य श्री महान्ति सर के नेतृत्व में स्नाकोत्तर षिक्षक इतिहास श्री एच.के.सिंह सर के साथ मल्हारगढ़ में पुरातात्विक सर्वेक्षण विभाग द्वारा चलाये जा रहे ऐतिहासिक उत्खन्न कार्य का अवलोकन करने पहुचें। वहॉ पुरातत्व विभाग के डा. मित्रा के निर्देषन मे चल रहे उत्खन्न कार्य एवं उससे प्राप्त पुरातात्विक साक्ष्य को सभी ने देखा जो संभवतः हम सबके लिए पहला अवसर था।

वहॉ जाकर हम सबने 1800 वर्ष से 2000 वर्ष पुराने स्थल की खुदाई किये गये स्थल को देखा जिसमें उस समय के कमरों के खण्डहर, चबुतरा, यू आकार का चूल्हा, धार्मिक स्नान के उद्देष्य से बनाया गया कुंड, आनाज भंडारण के लिए कमरा आदि देखा जिसमें कुछ कमरों की फर्ष पर टाइल्स रूपी ईटे लगी । यहा प्राप्त दो अनाज भंडारण गृह की विषेषता यह थी कि दोनों प्रवेष द्वार एक ही दिषा में था जिससे एसा लगता है कि उस समय भी वास्तुषास्त्र का ध्यान रखा जाता था।

इसके अलावा पुरातात्विक वस्तुए भी हम सभी ने देखी जिसमें पत्थर, उस समय के चावल मिट्टी के बर्तन, हाथी दॉत से बनी कंघी , क्रोषिया व चौपड़ का पासा, तॉबे का सूरमा, मुहरें, मूर्तियॉ, सिक्के , सोने के आभूषण व लोहे के औजारों की भी देखा। इनमें सबसे महत्वपूर्ण रोमन की सिल्वर दीनारिय देखी जो लगभग 86 ई. से 200 ई. के बीच सातवाहन युग में पायी गयी थी। इसमे एक सिक्का गौतमी पुत्र शातकर्णी के समय का भी था।

एक अन्य सिक्के में छेद था जिसे देखकर अनुमान लगाया जा सकता है कि संभवतः इसका उपयोग गले में पहनने के लिए किया जाता रहा होगा।

इन अद्वितीय और रोचक तथा हम सबके लिए अति महत्वपूर्ण स्त्रोत को देखने के बाद हम पुनः अपने कार्य क्षेत्र में वापस आये।

तत्पष्चात् यहॉ गुरूघासीदास विष्वविद्यालय के षिक्षा विभाग के सहायक प्राध्यापक डा0 निराधार डे के द्वारा मूल्यांकन मापन की विधियों पर व्यक्त किया गया। जिसमें उन्होनें मूल्यांकन के 6 विभिन्न तरीकों पर विस्तृत प्रकाष डाला। जो हम सभी के लिए उपयोगी था।

उनके विचारों को जानने के बाद हम सभी ने दोपहर का भोजन लिया और दोपहर 3:00 बजे पुनः एकत्रित हो गये। अब हम डा0 घनष्याम दुबे गुरूघासीदास विष्वविद्यालय के इतिहास विभाग के सहायक प्राध्यापक के विचारों से अवगत हुए जिन्होने भारत में राष्ट्रवाद स्वतंत्रता से पूर्व और स्वतंत्रता के बाद विषय पर अपने विचार व्यक्त किया ।

शाम 5:00 बजे हम चाय पीकर खेलकूद के लिए मैदान में आ गये। शाम 6:45 बजे गायत्री मंत्र के साथ हमने सांयकालीन प्रार्थना की । उसके बाद हमारे बीच नवोदय विद्यालय कोरापुर के रिसोर्स परसन के

रूप में पधारे पी.जी.टी. भूगोल श्री ए.के. मिश्रा सर ने ई–टीचींग से संबधित पावर पाइंट प्रेजेन्टेषन दिखाया और उसे बनाने के तरीके भी बताये जो हमारे लिए बहुत उपयोगी व सार्थक रहा। जिन तरीकों को अपना कर हम भी अपने कक्षा षिक्षण को रोचक व उपयोगी बना सकते है।

इसके बाद जवाहर नवोदय विद्यालय के प्राचार्य श्री महान्ति सर ने अपने प्रेरक उद्बोधन से हमें कम्प्यूटर सीखने व उसका उपयोग षिक्षण में करने के लिए प्रेरित किया । इन महत्वपूर्ण जानकारियों को पाकर हमने रात्रि भोजन किया। इसके बाद भी कुछ लोग कम्प्यूटर रूम में जाकर अपने प्रोजेक्ट कार्य को शुरू किय।

रात्रि 10:00 बजे हमने शुभ रात्रि के साथ लाइट बंद की।

<u>ओरियेन्टेषन कोर्स (प्र0स्ना0षि0, सा0वि0) जवाहर नवोदय विद्यालय, मल्हार</u>

<u>तीसरा दिन</u>

दिनॉक :14.05.2011

आज दिनॉक 14.05.2011 को ओरियेन्टेषन कार्यक्रम के तीसरे दिन सुबह में 5:30 बजे सभी प्रतिभागी विद्यालय के पी.टी. षिक्षक श्री टोप्पो सर के साथ प्रातः कालीन भ्रमण पर गये। तत्पष्चात् सुबह के नाष्ते के बाद 8:45 बजे प्रातः कालीन सभा का आयोजन किया , गया जिसे अरावली सदन में प्रस्तुत किया । इस सदन में श्रीमती लक्ष्मी , श्री ए.के. पाण्डेय, श्री के सेट्टी , श्री मोबिन अली और महेन्द्र कुमार सम्मिलत थे।

प्रथम सत्र की शुरूआत में ज.न.वि. कोरापुर के पी.जी.टी. (भूगोल) श्री मिश्रा सर ने भारत की जलवायु के विषय पर सुन्दर पावर प्रस्तुतीकरण दिया और विष्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर श्री निराधार डे ने विद्यार्थियो की प्रगति आंकलन हेतु कई पैमानो की जानकारी दी तथा प्रतिभागियों के मानसिक स्वास्थ्य को मापने हेतु एक टेस्ट आयोजित किया, जिसमें सभी प्रतिभागियो ने भाग लिया। तत्पष्चात् डा. डे ने प्रतिभागियों को 'एक्षन रिसर्च ष नामक एक नये अवधारणा की जानकारी दी तथा इसके मूल बिन्दुओं एवं विषेषताओं को सिलसिलेवार ढंग से विष्लेषित किया। सभी प्रतिभागियों ने महसूस किया कि इस सिद्धांत से विद्यालय में छात्रों से संबंधित कई समस्यायों का निराकरण किया जा सकता है।

इसके बाद दोपहर के भोजनावकाष हेतु कक्षा विसर्जित कर दी जायेगी ।

भोजनावकाष के बाद गुरू घासी दास विष्वविद्यालय के बी.एड़ कालेज को प्राध्यापक श्री नीरज जोषी ने विद्यार्थियो के अध्यापन हेतु कई महत्वपूर्ण षिक्षण प्रतिमानों की जानकारी दी, जिनमें ''खोज प्रषिक्षण प्रतिमानष एवं ''संकल्पना प्राप्ति प्रतिमानश मुख्य थे। तदुपरांत सभी प्रतिभागियों के लिये सांय 5:30 बजे से खेल का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने उल्लासपूर्वक भाग लिया।

सायं 6:45 बजे सांयकालीन प्रार्थना शुरू हूई और इसकी समाप्ति के बाद श्री ए.के. मिश्रा सर (पी. जी.टी., भूगोल, कोरापुर) ने भारत की जलवायु एवं विभिन्न भौगोलिक यंत्रो के विषय में पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जानकारी दी।

अंत में कक्षा रात्रिकालीन भोजन हेतु रात्रि 8:10 पर विसर्जित कद दी गयी और इस प्रकार प्रषिक्षण का एक लाभदायक दिन समाप्त हुआ।

धन्यवाद।

<u>प्रतिवेदन</u>

<u>दिनॉक 15.05.11</u>

आज दिनॉक 15.05.11 को 5.30 पर विद्यालय को पी. ई. टी. द्वारा योगासन करवाने जाने के साथ हो सभी प्रतिभागियों की दिन चर्या की षुरूआत हुई । समूह 03 नीलगिरी के द्वारा प्राःतकालीन प्रार्थना सभा का नेवृत्व दिया गया।

प्रथम सत्र की षुरूवात श्री ए.के. मिश्रा स्रोतपुरूष जी के मागदर्षन में च्ण्च्ण्ज्ण का निर्माण कम्प्यूटर पर किस तरह से किया जाये कम्प्यूटर पर अभ्यास किया गया। जिसमें प्रतिभागियों ने मिश्रा जी से उनके अनुभवों का लाभ प्राव्त कर च्ण्च्ण्ज्ण बनाना प्रारंभ किया।

द्वितीय सत्र में स्रोतपुरूष श्री आर. के. सोनी डिप्टी रजिस्टर गुरू घासीदास विष्वविद्यालय बिलासपुर द्वारा बडे ही सुगम एवं प्रभावपूर्ण तरीके से ष्म्लर्निग किस प्रकार से की जाये उदाहरणों एवं इन्टरनेट पर च्ण्च्ण्ज्णका निर्माण थोड़े समय में क्षणें की रूचि के अनुसार तैयार बडे ही प्रकिया को सरल रूप में समय पर । इसके साथ साथ इण्टरनेट की सहायता से गुगल यू. टयूब, वीडियों गुगल अलर्ट, गुगल मैपस, गुगल अर्प, गुगल डायूकमेन इत्यादि पर क्षणें के लिए उपयोगी एवं रूचि सामग्री कैसे प्राप्त की जाये बताया गया। जिसे समाप्त प्रतियोगियों ने नई –नई जनकारियों प्राप्त की एवं श्री सोनी जी ने ध्न्यवाद ज्ञापित किया।

तृतीय सत्र में स्रोतपुरूष के रूप में पधारे श्री कौशिक किषोर जी षिक्षा विभाग बिलासपुर विष्वविद्यालय द्वारा त्ण्ज्ण्म्ण की विस्तृत जानकारी प्रतिभागियों को च्ण्च्ण्ज के माध्यम से दी गई एवं इस एक्ट करें।
किस तरीके से एवं लागू की जाने वाली कटिनाईयों को कैसे दूर किया जाये इस पर विस्तृत चर्चा की गई जो कि हम सभी के लिए बहुत ही लाभ दायक रही।

दोपहर भोजन उपरांत कोर्स निदेषक एवं विद्यालय के प्राचार्य श्री मोह्वन्ती जी द्वारा नवोदय विद्यालय समिति के नियम एवं षिक्षकों को तनावमुक्त वातावरण में रहकर अपने शैक्षिक दायित्वों को पूर्ण होने की सलाह दी गई।

चतुर्थ सत्र में श्री घनष्याम दुबे जी इतिहास विभाग बिलासपुर विष्वविद्यालय द्वारा हजारों वर्षों के दौरान हुए परिवर्तनों को पडताल विषय पर बढ़ ही सरगर्मिव एवं कमबद्ध तरीके से प्रतिभागियों को समझाया गया। जिसमें प्रतिभागियों के सामने आने वाली अनेक भान्तियों का समाधान हुआ।

षाम 6:45 पर सायंकालीन प्रार्थना उपरांत अन्तिम सत्र में स्रोतपुरूष श्री ए. के. मि्श्रा जी द्वारा उनके द्वारा लॉन्च बेवसाइड का प्रदर्षन एवं उनके द्वारा भूगोल विषय पर बेवसाइड़ में दी गई विस्तार से जानकारियों की कमबद्ध करीके से चर्चा कर बेबसाइड निर्माण, ई. मेल, एकाउन्ट खोलना एवं च्ण्च्ण्ज्ण बनाना इत्यादि विषयों पर जानकारी एवं च्ण्च्ण्ज्णनिर्माण कार्य के साथ ही आज के दिन को समाप्ति को गई।

प्रस्तुतकर्ता
डा. एस. के. तिवारी
जवाहर नवोदय विद्यालय बजरंगगढ़,
गुना (म.प्र.)

<u>ओरियेन्टेषन कोर्स (प्र0स्ना0षि0, सा0वि0) जवाहर नवोदय विद्यालय, मल्हार</u>

दिनॉक 18.05.2011

<u>आठवॉ दिन</u>

उपस्थिति प्रतिभागी– समस्त 27 प्रषिक्षणार्थी एवं कार्यक्रम श्री महान्ति सर, श्री मिश्रा सर एवं अन्य 10 दिवसीय ओरियेन्टेषन प्रषिक्षण सत्र के 08 वें दिन दिनॉक 18.05.2011 का प्रतिवेदन निम्नानुसार है , प्रातः 05 बजे श्री जेम्स टोप्पो सर के साथ समस्त प्रतिभागी बूढ़ीखार गॉव तक पैदल पहुॅचे एवं प्राकृतिक हवा में स्वास्थ्य लाभ लिया।

सुबह 08:00 बजे नाष्ता ग्रहण करने के पश्चात् 8:45 बजे । जिसमें श्री संतोष कुमार के द्वारा निर्देषन , श्रीमती राजनंदनी शर्मा द्वारा विचारणीय तथ्य, श्री हरिषंद्र वर्मा द्वारा समाचार, श्री डी. एस. मीणा द्वारा शपथ एवं श्री मनीष सिंह सोलंकी द्वारा प्रष्नोत्तरी आयोजित की गई । उपरांत श्री अनुज कुमार जी ने अपना प्रतिवेदन वाचन किया।

प्रथम सत्र में महान्ति सर, प्राचार्य जी ने डॉ. एस. के मित्रा का परिचय करवाया । मित्रा सर ने प्राचीन इतिहास, पुरात्तविक , पाषाण युग के औजार के बारें में जानकारियॉ दी। प्रथम बार पुरा पाषाण काल के मानव के जीवाष्म की खोज, मेमल्स, पहिया, कॉपर का उपयोग, घोड़े के साक्ष्य, पंचमार्क सिक्के, एवं लिपियों के ऊपर चर्चा की गई।

11:00 बजे नास्ता क उपरांत हमारे बीच में गायत्री परिवार से रिटायर्ड ।ण्क्ण्डण श्री सी.पी.सिंह, श्री द्वारका पटेल, श्री डी.आर. साहू जी आये। सभी ने गायत्री मंत्रोच्चारण के पश्चात् भारतीय संस्कति, ईष्वर के रूप , विवेकानंद जी के सिद्धांत, आत्मा की अमरता, कर्मफल सिद्धांत, पुनर्जन्म सिद्धांत , आत्मानिर्माण आदि पर चर्चा की । डॉ. डी. आर. साहू फिजिकस विभाग, पी.जी. कालेज बिलासपुर ने हमें युवा बनने क सूत्र बताये एवं सः प्रथम संस्कृति विष्वारा, एवं तेन वयकते मुन्जितः आदि विचारो पर चर्चा की ।

निश्चित कार्यक्रमानुसार 1:30 बजे सभी प्रतिभागियॉ ने मेंस पहुंचकर, श्री एस.के. मित्रा सद एक बाद फिर का0र्यक्रम में पधारे। उन्होनें मल्हारगढ़ में सत्र 2009 में की गई खुदाई के कुछ अंष पावरपाइंट पिजेटेषन के माध्यम से दिखाये। सायं 05 बजे चायकाल के बाद द्वितीय सत्र समाप्त हुआ।

सांय 5:30 बजे कुछ प्रतिभागियॉ ने क्रिकेट का लुत्फ लिया। तो कुछ लोगों ने धूम कर स्वास्थ्य लाभ लिया । 07बजे सायंकालीन प्रार्थना सभा आयोजित की गई। प्राचार्य श्री महान्ति सर द्वारा फारमेटिव टेस्ट लोड करने के निर्देष दिये गये।

रात्रि 8:00बजे रात्रि भोजन के उपरांत कार्य दिवस का समापन किया गया।

कार्यक्रम में निम्न विषेषतायें रहीं –

1. पी.पी.टी. त्यार हो जाने कारण समस्त प्रतिभागियों ने राहत महसूस की ।
2. श्री महान्ति सर, ने कल द्वितीय सत्र में नवोदय की कार्यषैली के बारें में बताया। सभी ने माना कि यह जानकारी प्रतिभागियों के लिए भविष्य में लाभप्रद होगी।

प्रतिवेदक
मनीष सिंह सोलंकी
(टी.जी.टी. सा.अध्ययन)
ज.न.वि. नौगॉव (छतरपुर) म.प्र.